TWO DAY NATIONAL SEMINAR

19-20 December 2019

On the topic-

"Evaluation Process in Current Education System of India"

Seminar Report

Organized by

T.N. AGRAWAL TEACHERS' TRAINING COLLEGE

HARIGAON, ARA, BHOJPUR, BIHAR

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
WELCOME
TWO DAYS NATIONAL SEMINAR
Evaluation Process in Current Education System of India
Tarkeshwar Narain Agrawal Teachers' Training College, Harigoan
WELCOME

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, हरिगाँव (भोजपुर)
WELCOME
to
TWO DAYS NATIONAL SEMINAR
on
Evaluation Process in Current Education System of India
Organized by
Tarkeshwar Narain Agrawal
Teachers' Training College, Harigoan
Dated on - 19th & 20th December 2019
Dr. Ram Niwas
Anita Krishna
Dr. Krishna Murari Agrawal
Principal & Convenor
Chairperson
Secretary
तारकेश्वर नारायण अग्रवाल एजुकेशन एण्ड सोशल वेलफेयर फाउण्डेशन द्वारा संचालित

संगोष्ठी प्रतिवेदन

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक-प्रशिक्षण महाविद्यालय, हरिगाँव

(आर्यभट्ट विश्वविद्यालय द्वारा सम्बद्धता प्राप्त)

द्वारा आयोजित

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

शीर्षक

भारत की वर्तमान शिक्षा प्रणाली में मूल्यांकन प्रक्रिया

आमुख

शिक्षा के क्षेत्र में मूल्यांकन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है क्योंकि शिक्षा के मूल्यांकन के द्वारा यह ज्ञात किया जाता है कि शिक्षार्थी ने किया और कितनी उपलब्धियां अर्जित की है। मूल्यांकन की विभिन्न प्रक्रियाओं के द्वारा छात्रों की अर्जित उपलब्धियों का पता आसानी से लगाया जा सकता है।

एक शिक्षक को छात्रों की रचनात्मक मूल्यांकन तथा आकलित मूल्यांकन द्वारा अपनी शिक्षण विधि और शिक्षा योजना में सुधार का अवसर मिल जाता है परंतु वर्तमान मूल्यांकन प्रणाली की परिणामों की सुरक्षा में कमी अशुद्ध तथा सुस्त और प्रभावशाली परिणामों की वजह से आज इस प्रक्रिया में कुछ परिवर्तन की आवश्यकता है।

वर्तमान मूल्यांकन प्रणाली में शिक्षकों द्वारा विभिन्न परीक्षाओं के परिणामों को एकत्रित करए जैसे रचनात्मक मूल्यांकन के परिणामए आकलित मूल्यांकन के परिणाम तथा वार्षिक मूल्यांकन के परिणाम को लेकर उनका प्रतिशत भी निकालना पड़ता है। इस प्रक्रिया को प्रत्येक कक्षा के प्रत्येक छात्र तथा प्रत्येक विषय के लिए अपनाना पड़ता है तथा इस प्रक्रिया के पूरे हो जाने के पश्चात शिक्षक सर्वाधिक प्रतिशत प्राप्त करने वाले छात्र से लेकर न्यूनतम अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को स्थान प्रदान करता है। मूल्यांकन किया प्रक्रिया यहीं समाप्त ना होकर आगे भी चलती है। प्रत्येक कक्षा अध्यापक प्रत्येक छात्र के प्रगति पत्र मूल्यांकन प्रपत्र में विषयवार अंकों को भरता है और मास्टर सीट भी तैयार करता है। मूल्यांकन की प्रक्रिया तनाव युक्त तथा अधिक समय खर्च करने वाली होती है।

अशुद्धि

वर्तमान मूल्यांकन प्रणाली का परिणाम पर आधारित होने के कारण अंकों की गणनाओं में गलती होने की संभावना अधिक रहती है।

परिणामों की सुरक्षा में कमी

वर्तमान मूल्यांकन प्रणाली का परिणाम फाइलोंए रजिस्टरों तथा तरह.तरह के कागजों पर किए जाने के कारण परीक्षा परिणाम तथा आंकड़े सुरक्षित नहीं रहते कभी तो यह गल

जाते हैंए फट जाते हैं। इन्हें दीमक तथा अन्य कीड़े मकोड़े जीव.जंतु भी नष्ट कर सकते हैं।

परिणामों के सुस्त प्रक्रिया

वर्तमान मूल्यांकन प्रणाली में एक शिक्षक को मूल्यांकन का परिणाम तैयार करने का बहुत कम समय मिलता है क्योंकि एक शिक्षक को शिक्षण कार्य तथा विद्यालय के अधिकारियों के साथ ही मूल्यांकन का कार्य भी करना पड़ता है जिससे परिणाम घोषित करने में देर हो जाती है।

प्रभावहीन परिणाम प्राप्त होना

वर्तमान मूल्यांकन प्रणाली नियमावली पर आधारित होने के कारण त्रुटियों की संभावना बनी रहती है इसलिए इसके परिणाम भी अप्रभावशाली होते हैं।

विद्यालय में भी ऐसी ही अनगिनत व्यवस्थाओं के उचित प्रबंधन के लिए अनेकों अलग. अलग सॉफ्टवेयर बनाए जाते हैं जिनके माध्यम से कंप्यूटर द्वारा विद्यालय संबंधी क्रियाओं का उचित एवं प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन एवं मानीटरिंग की जा सके। विद्यालय की विभिन्न व्यवस्थाओं में पारदर्शिता रखी जा सके। छात्रों की उपस्थितिए परीक्षाफलए पुस्तकालय के रखरखाव के आंकड़ों को सॉफ्टवेयर द्वारा उपलब्ध आंकड़ों से तुलना कर विद्यालय की विभिन्न नीतियों के निर्माण में इनका प्रयोग किया जा रहा है।

डा0 राम निवास हुडडा
संयोजक राष्ट्रीय सेमिनार
सह–प्राचार्य
टी0एन0ए0टी0टी0सी, हरिगाँव

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित मुख्य अतिथि का स्वागत

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उदघाटन करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. मेजर हर्ष कुमार

(सचिव राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् नई दिल्ली)

उदघाटन सत्र के दौरान सभागार में उपस्थित प्रतिनिधिगण

मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए सचिव महोदय

उदघाटन सत्र
स्थान मल्टीपरपस हॉल
दिनांक – 19.12.2019

प्रो0 मेजर हर्ष एवं डा0 कृष्ण मुरारी अग्रवाल (सचिव) द्वारा पुष्पापर्ण

प्रो0 मेजर हर्ष एवं प्रो0 संजय शर्मा द्वारा पुष्पापर्ण

सचिव महोदय द्वारा मुख्य अतिथि को अंग वस्त्र के द्वारा सम्मानित करते हुए

प्राचार्य महोदय द्वारा प्रो0 संजय शर्मा को अंग वस्त्र के द्वारा सम्मानित करते हुए

प्रो संजय शर्मा द्वारा प्रो0 आलोक द्विवेदी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए

प्रो0 अजय चौबे द्वारा प्रो0 आलोक गार्डिया को अंगवस्त्र एवं तुलसी पौधा प्रदान करते हुए

महाविद्यालयी वार्षिक पत्रिका

''सुकृति''

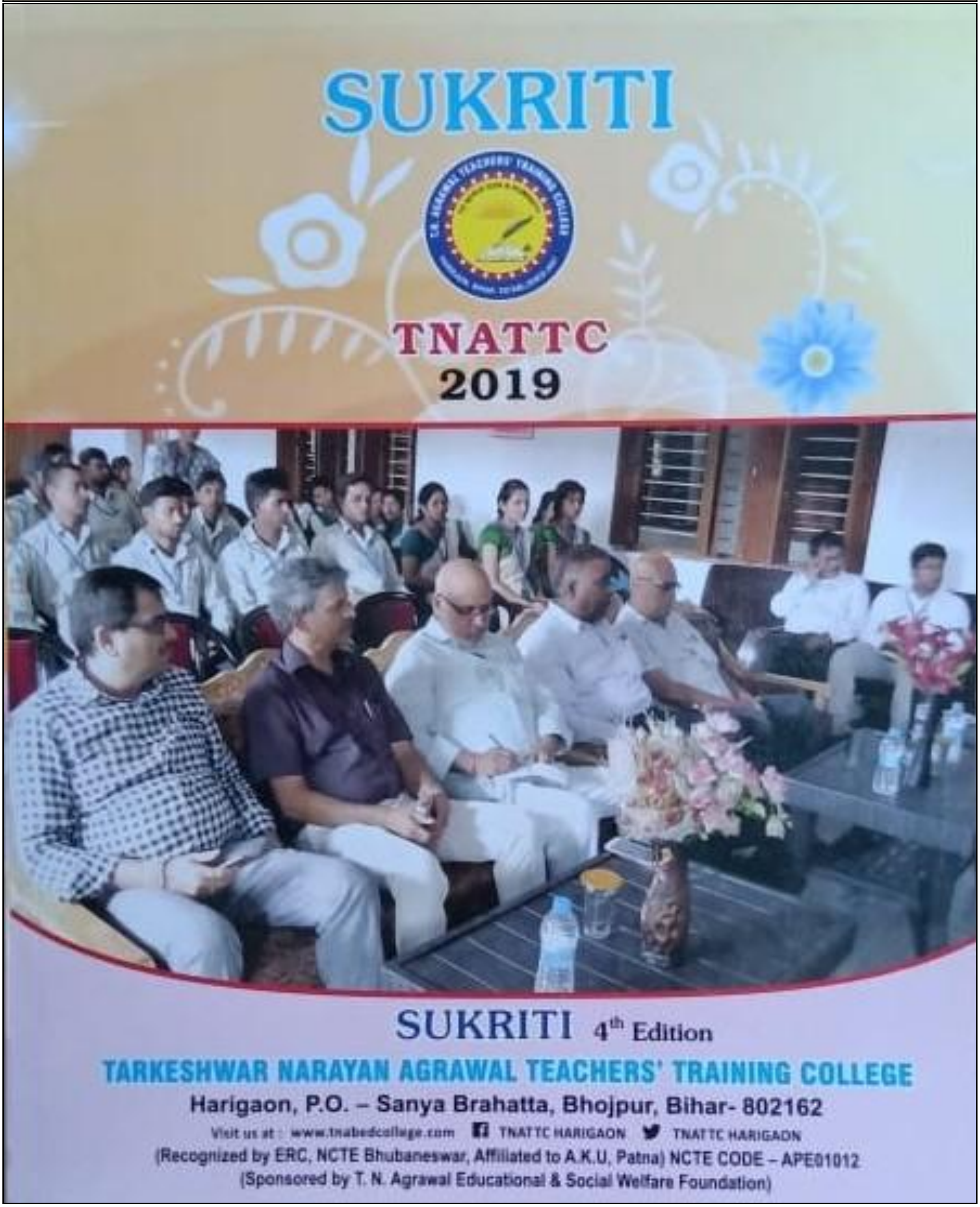

महाविद्यालयी वार्षिक पत्रिका ''सुकृति'' के चतुर्थ संस्करण का विमोचन करते हुए पदाधिकारी गण

प्रो0 आलोक गार्डिया, प्रो0 आलोक द्विवेदी, प्रो0 संजय शर्मा, प्रो0 मेजर हर्ष, प्रो0 अजय चौबे एवं माननीय सचिव महोदय डा0 कृष्ण मुरारी अग्रवाल जी के द्वारा वार्षिक पत्रिका का विमोचन

संगोष्ठी प्रारूप

TWO DAYS NATIONAL SEMINAR

ON

"EVALUATION PROCESS IN CURRENT EDUCATION SYSTEM OF INDIA"

(19-20, DECEMBER,2019)

Organized by

Tarkeshwar Narain Agrawal Teachers' Training College, Harigaon

on

19-20, December, 2019

Name: ....

Designation:..

College/Organization: ....

....

Mailing Address: ....

....

Mobile No: ....

E-mail: ....

Details of Registration Fees:- Amount:..............................

Cash/DD /Tr No. .... Date:..........................

Organizing Committee

Chief Patron

Smt. Shanti Agrawal (Chairman)
T.N.A.E.S.W.F.ARA

Patron

Smt. Anita Krishna (Chairman)
Dr. Krishna Murari Agrawal (Secretary)
T.N.A.T.T.C Harigaon

Advisory Committee members

Dr. Krishna Murari Agrawal
Er. Dhirendra Singh
Dr. A .Mehta

Chief Guest (Inaugural/session)

Prof. Major Harsh Kumar (Sec. NCERT, New Delhi)

Special Distinguish Guest

Prof. Arvind Pandey (Ex-V.C, Darbhanga University)

Key Note Speakers

Dr. Sanjay Sharma (Associate Prof.) Sagar University

Dr. Ajay Kumar Chaubey Deptt. Of Education, (NUEPA) Delhi (India)

Chief Guest (Valedictory Session)

Prof. Gyandeo Mani Tripathi, Dean, Deptt. Of Education, AKU University Patna

Resource Persons

Dr. Alok Gardia, Associate Prof. Deptt. Of Education BHU Varanasi

Dr. Sujit Kumar Diwvedi, Deptt. Of Eduction. L. N Mithila University, Darbhanga

Dr. Alok Kumar Diwvedi, Assistant Prof. & Asst. Co- ordinator, FDC (PMMMNMTT) Deptt. Of Education, M.G. Kashi Vidyapith Varanasi

TWO DAYS NATIONAL SEMINAR

ON

"EVALUATION PROCESS IN CURRENT EDUCATION SYSTEM OF INDIA"

19-20, December, 2019

Tarkeshwar Narain Agrawa
TEACHERS' TRAINING COLLEGE

Run By :- Tarkeshwar Narayan Agrawal Educational & Social

25

Page:
Date 18/12/19

सूचना

सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 19 दिसम्बर एवं 20 दिसम्बर को होने वाले राष्ट्रीय Seminar को मद्देनजर रखते हुए सभी लोगों का अवकाश रद्द कर दिया जाता है। तथा आपके कार्य को जो दायित्व आप सभी को दिया गया है उसे आप शालीनता के साथ पूर्ण करें। इसी आशा एवं विश्वास के साथ की आप सभी के सहयोग से यह आयोजन अपनी सफलता को प्राप्त होगा।

आप के सहयोग का आकांक्षी

धन्यवाद

Co-Convenor — Convenor
18.12.19

18/12/2019

Members

Kamlesh Kumar —

Vijay K. Jha.

18/12/19

18/12/19

18/12/19

(21)

Page :
Date : 16/12/19

सूचना :

सभी प्राध्यापकों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 16/12/2019 को दोपहर में राष्ट्रीय सेमिनार से संबंधित बैठक की गयी जिसमे पूर्व नियोजित Topic पर Evaluation process in current Education System of India थी Seminar का main topic होगा। परन्तु डा० अजय चौबे, प्रो० हर्ष कुमार एवं डा० संजय शर्मा के सुझाव के पश्चात विषय वस्तु मे कुछ परिवर्तन किया गया जो इस प्रकार है

"Curriculum, pedagogy and assessment: implications for quality schooling and teacher education"
"विद्यालयी शिक्षा एवं शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता में पाठ्यक्रम और शिक्षणशास्त्रीय विषयों में मूल्यांकन का निहितार्थ"

Sub — Topic.

(1) "Unfolding the content of deliberations"
"विचार विमर्श के सन्दर्भ को सामने लाना"
* formative and summative evalution.

(2) Curriculum, purpouse, Design, content"
पाठ्यक्रम उद्देश्य, प्रारूप और विषय वस्तु,
Continious and comprehencive evalution

(3) pedogogy, purpouse process and agency
(शिक्षणशास्त्रीय प्रक्रिया, उद्देश्य, और एजेन्सी)
⇒ evalution process of teacher traning programme,

34

...ning teacher in Government School
(School, Committee, State)
...कारी विद्यालय में शिक्षक की प्रक्रिया।

...ssessment:- what, why, How.
...आंकलन क्या, क्यों, कैसे।

...convenor | Convenor
...

...ers -
- P.M. Jena — [signature] 17/12/19
- Neeraj Tiwari — [signature] 17/12/19
- Ajit Kr. Singh — [signature] 17/12/19
- N.K. Chaubey — [signature]
- M.K. Upadhya — [signature]
- R.K. Vishwakarma — [signature]
- Pankaj Udhas. — [signature] 17/12/19
- ...nde Kumari — [signature] 17/12/19
- Shweta Maurya, — [signature] 17/12/19
- Vijay Kumar Jha — [signature] 17-12-19
- Mukesh Kr. Patel — [signature]
- Kamlesh Kumar — [signature]

Page 1
Date 8.12.'19

(21)

कार्य विवरण

Signature

Ragistration — Sri Mukesh Kumar. —
Dr. P. Udhus. —

Hall managment — Sri Kamlesh Kumar —
Neeraj Tiwari.
Ajit Kr. Singh. —

Launch arragment — Dr. M K Upadhya —
Sri R. K Vishwakarma —

Ligh arragement & Sound — Sri pramod Kr. Singh — Pramod Kr Singh
Sri manoj chaubey — Manoj chaubey

Stage management - Sri N.K. Chaubey.
Sri omprakash.

Welcome of the Guest — Smt. Bindu Kumari
Sri — shweta maurya
Mr. Priti Sonnu.

Student Seating arregment — Smt. P. M Jena.
Kamlesh Kumar.

Discipline — Sri N Tiwari —
Sri R. K Vishwakarma —
Sri Shweta maurya —

amp Ligating → Sri Vijay Kr. Jha.
Sri Ajit Kumar Singh

Photo video — Mr Sunny Pati & Rahul Kumar.
Fall monitoring Dr. Ram Niwas Hudda —

तकनीकि सत्र विवरण

(27)

Two Days National Seminar on
Evalutation process in current Education System of India

Dr. Sanjay Sharma (Chairperson)

Dr. Alok Gadia (Chairperson)

Reporter - Sri Niraj Tiwari

Technical Session - 1 | 12:15 Pm to 01:30 Pm | 19th December, 2019

M.P Hall

"Reform and Changes of evaluation process in education"

Sr. No.	*Name*	*Title of the Paper*	*Allotted Time*	*Signature*
1	Ms Shweta Maurya	शिक्षा के मुल्यांकन प्रक्रिया मे होने वाले परिवर्तन एव सुधार		
2	Sri Mukesh Kumar	Current evaluation system of Indian education		
3	Dr. Pankaj Udhas	Reform and Changes of evaluation process in edn		
4	Sri Vijay Kumar Jha	प्राचिन एव वर्तमान मुल्यांकन प्रणाली का तुलनातमक आध्ययन		
5	Vandna Rai	Reform and Changes of evaluation process in edn.		
6	Dr. Shakti Kumar	भारत मे आधुनिक शिक्षा प्रणाली का मुल्यांकन		
7	Tarkeshwar Rai	वर्तमान भारतीय शिक्षा प्रणाली मे मुल्यांकन प्रक्रिया		
8	S.N Chaubey	समसामयिक भारतीय शिक्षा की कमिया एवं उपचार प्रणाली मे मुल्यांकन		
9	Sudhaker Rai	समसामयिक भारतीय शिक्षा प्रणाली में मूल्यांकन प्रक्रिया की प्रयोज्यता		
10				

19.12.17

Mukesh
Pankaj
3. VC Sir Arvind pandey

Two Days National Seminar on
Evalutation process in current Education System of India

lok Dwivedi (Chairperson)

jay Chaubey (Chairperson)

orter - Smt. P.M Jena

nical Session - 2 | 12:15 Pm to 01:30 Pm | 19th December, 2019

ROOM NO. - 2

"Continious and Comprehensive evaluation in school"

Name	*Title of the Paper*	*Allotted Time*	*Signature*
Sri N.K Chaubey	Continious and comprehensive evaluatio in school		
Sri Om Prakash	Concept of continious and comprehensive		
Sri Ajit Kumar Singh	शिक्षा में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन		
Sri Sonu Kumar	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की आवश्यकता एवं क्षेत्र		
Jyoti Kumari/Aman Kumar	Continious and comprehensive evaluation		
Fahreen Khan	Secondary Education of Evaluation		
Ashish Kumar	Secondary School Teacher on C.C Evaluation		

19.12.19

Two Days National Seminar on

Evalutation process in current Education System of India

[illegible]ujeet Kumar Dwivedi (Chairperson)

[illegible] N Tiwari (Discussant)

[illegible]rter - Dr. Pankaj Udhas

[illegible]al Session - 3 10:15 Am to 01:15 Pm 20th December

M.P Hall

"Evaluation Process of Teacher's training programme"

Name	Title of the Paper	Allotted Time	Signa[illegible]
Dr. R.N Hudda	[illegible]	11.10	P
[illegible] P.M Jena	Evaluation in the overall system of Education		P
Dr. Navdeep Ranjan	Need of educational evaluation at school level		
[illegible] Mithlesh Shukla	[illegible]		P
Dr. M.K Upadhyay	[illegible]		P
[illegible] Vivek Raj	Evaluation process of Teachers' Training program		
Ms Neha Kumari	[illegible]		P
[illegible]	All academic process of Evaluation in edu		
Madhuri Kumari	[illegible]		
Om Prakash Sinha	[illegible]		P
[illegible]	[illegible]		P
[illegible] Kumari	[illegible]		P
Khushboo Kumari	[illegible]		P
[illegible]	Reform and Changes of evaluation [illegible]		P
[illegible] Yadav	[illegible]		P

20/12/17

30

Two Days National Seminar on

Evalutation process in current Education System of India

Dr. Sanjay Sharma (Chairperson)

Dr. Ajay Chaubey (Discussant)

Reporter - Ms. Shweta Maurya

Technical Session - 4 | 10:35 Am to 01:30 Pm | 20th December, 201[illegible]

Seminar Hall

"Formative and Summative evaluation of school education"

Sr. No.	Name	Title of the Paper	Allotted Time	Signature
1	Smt. [illegible] Kumari	क्रियात्मक शिक्षा में रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन		P
2	Smt. Anjani Kumar Gupta	[illegible]	Not Present	
3	Sri Niraj Tiwari	Formative and summative What, Why & How		P
4	Sri R.K. Vishwakarma	[illegible]		P
5	Nilam Kumari	[illegible]		P
6	Amit Kumar	[illegible]		P
7	Manoj Singh	वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता		P
8	Vikesh Kumar	अध्यापक शिक्षा पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन प्रक्रिया : एक विश्लेषण		P
9	Binit Kumar	वैश्वीकरण के संदर्भ : शिक्षक-शिक्षा पर पुनरावलोकन		P
10	Ramesh Kumar	Evaluation process of teacher training programme	Not Present	
11	Pooja Kumari	Formative & Summative Evaluation in School Education		P
12	Dr. Manoj Kr	[illegible]		P
13				
14				
15				

[illegible] 20/12/19

[illegible] 20/12/19

[illegible] 20/12/2019

माननीय मुख्य अतिथि प्रो0 मेजर हर्ष द्वारा उदबोधन

माननीय विशिष्ट अतिथि प्रो0 अरविन्द कुमार पाण्डेय द्वारा उदबोधन

माननीय सचिव डा0 कृष्ण मुरारी अग्रवाल जी द्वारा उदबोधन

सहायक प्राध्यापक श्री नवीन कुमार चौबे द्वारा शोध पत्र प्रस्तुति

सहायक प्राध्यापक श्री मुकेश कुमार द्वारा शोध पत्र प्रस्तुति

सहायक प्राध्यापक डा0 मनोज कुमार उपाध्याय द्वारा शोध पत्र प्रस्तुति

प्रो0 संजय शर्मा द्वारा व्याख्यान

सहायक प्राध्यापिका श्रीमती पी0एम0जेना द्वारा शोध पत्र प्रस्तुति

मानननीय सारस्वत अतिथि प्रो0 ज्ञान देव मणी त्रिपाठी द्वारा व्याख्यान देते हुए

सहायक प्राध्यापक डा0 मिथलेश कुमार शुक्ला द्वारा प्रश्न पत्र प्रस्तुति

श्रीमती निलम कुमारी द्वारा शोध पत्र प्रस्तुति

कौरा मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा शोध पत्र प्रस्तुति

प्राचार्य डा0 रामनिवास हुडडा द्वारा शोध पत्र प्रस्तुति

सोनु कुमार (छात्राध्यापक) द्वारा पत्र प्रस्तुति

सहायक प्राध्यापक श्री अमित कुमार द्वारा शोध पत्र प्रस्तुति

सहायक प्राध्यापक श्री विजय कुमार झा द्वारा शोध पत्र प्रस्तुति

Seminar :- 2019		
Name	***Designation***	***contact no.-mail***
Dr. A.K Agrawal, vice-chancellor A.K.U. Patna	Professor	Chief guest (Letter send)
Prof. Douly Sinha, Pro- vice chancellor Patna	Professor	Chief guest (Letter send)
Prof. Devi Prasad Tiwary, V.K.S.U. Ara	Professor	Chief guest (Letter send)
Dr. Rajiv Nandan, Registrar A.K.U.Patna	Registrar	Validectory Session, Letter send
Prof. Gyandev mani Tripathi	Professor	Validectory Session, Letter send
Dr. Alok Gardia, Associate prof. B.H.U.	Professor	Technical session- 1st 19/12/2019,12:30to1:15
Dr. Alok Diwedi	Assit. Professor	Technical session 2 19/12/2019,2:30 to 4:30
Dr. Ajay kumar chauby, N.U.E.P.A. Department of Education M.H.R.d. Delhi	Administrator	Technical session-1 20/12/2019,
Prof. Major Harsh kumar,Sec. N.C.E.R.T. New Delhi	Secre., N.C.E.R.T. ,New Delhi	chief guest
Sanjay Sharma Associate Prof. Sagar university Sagar	Profession	Key Note Speeker, Resource Person
Prof. Arvind kumar Pandey,Ex. V.C. Darbhanga University	V.C.	Chief Guest for Innuqural Function
Sujeet kumar Diwedi		

Seminar Letter's		
Sr. no	***Designation***	***School Name***
1	***Principal / Head Master***	S.S.R.G. High School
2	" "	Middle School Harigaon.
3	" "	Middle School Dulhinganj.
4	" "	Middle School Asani
5	" "	Middle School Kaura.
6	" "	High School Kaura.
7	" "	High School Asani.
8	" "	High School Isahri
9	" "	Middile School Isahri
10	" "	Girls High School Jagdishpur
11	" "	Swarth Sahoo High School Jagdishpur
12	" "	High School Udawant Nagar
13	" "	Middle School Tetariya
14	" "	Gov.Girls High School Ara
15	" "	Yadav Vidyapith High School Ara
16	" "	Town High School Ara
17	" "	Middle School Ara
18	" "	N.C.S.Girls High School Ara
19	" "	Amirchand High School Ara
20	" "	Adarsh Madhya Vidyalaya Nawada
21	" "	Ram Nagina Pandey High School

Two Days National Seminar on Evaluation process in current Education System of India

Sr.no.	*Name*	*Address*	*Signature*
1	Major Harsh kumar	Secretary National Council of Education ReaserchTraining New Delhi Mob.no. ....,E-mail……	
2	Prof. Arvind kumar Pandey	Ex. Vice Chancellor Kameshwar Singh Darbhanga Sanskrit University Bihar.Mob. No……., E-mail….	
3	Dr. Alok Gardia	Associate Prof. Banaras Hindu University Varansi Mob.no……, E-mail……	
4	Dr. Ajay Chaubey	Under seceratary NIEUPA, New DelhiMob.no….,E-mail…	
5	Dr. Sanjay Sharma	Assit.Prof.Dr.Hari Singh Gaur University Sagar. Mob. No….,E-mail…..	
6	Gyandeomani Tripathi	Dean faculty of Education A.K.U. Patna	
7	DR. Sujeet kumar Diwedi	Principal B.M.A. College Bachari	

List of Certificate Distribution on Two Days National Seminar on "Evaluation process in Current Education System of India"

Sr.no.	Name	Address	Responsibility	Work of Area
1	Mejor Harsh kumar	N.C.E.R.T (Secretary)	Chief Guest	Resource person
2	Prof. Aravind Pandey	Ex-VC (Kameshwar Singh University	Destiniguish guest	Paper Presentation(Chair person)
3	Dr. Sanjay Sharma	Associata Prof., Sagar University	Chair person	Technical Session-2
4	Dr. Ajay kumar Chaubey	Assit. Prof.N.U.E.P.A.	Chair person	Technical Session-2
5	Dr.Alok Gardia	Asssociate prof. B.H.U.	Chair person	Technical Session-1
6	Dr. Alok kumar Diwedi	Assit. prof. M.G.K.V.P.	Chair person	Technical Session-3
7	Dr. Sujeet kumar Diwedi	Head,Dept. of Edu. B.M.A. College Bachari	Chair person	Technical Session-4
8	Dr. Gyandeomani Tripathi	Dean faculty of Edu. A.K.U. Patna	Validectory Session	Validectory Session
9	Dr. Birendra kumar Pandey	Assit.Prof. V.K.S.U. Ara	Paper Presentation	Paper Presentation
10	Smt. Bindi kumari	Assit. Prof. T.N.A.T.T.C. Harigaon	Paper Presentation	Paper Presentation
11	Mr.Aditya Prakash Singh	Student J.P. Uni. sikohabad		
12	Smt. Pinki Kumari	Lect. M.M. College Ara		
13	Smt. Sarita kumari	Assit. Prof. B.S.P.P. College Ara		
14	Smt. P.M. Jena	Assit. Prof. T.N.A.T.T.C. Harigaon		
15	Sri Diptanshu Samrat	Student T.N.A.T.T.C. Harigaon		
16	Sri Vijay kumar Jha	Assit. Prof. T.N.A.T.T.C. Harigaon		
17	Smt. Nilam kumari	Librarian T.N.A.T.T.C. Harigaon		
18	Sri Niraj Twari	Assit. Prof. T.N.A.T.T.C. Harigaon		
19	Dr. Asharfi Mehta	T.N.A.T.T.C. Harogaon		
20	Miss. Sradha Singh	Student T.N.A.T.T.C. Harigaon		
21	Miss. Jyoti kumari	Student T.N.A.T.T.C. Harigaon		
22	Mr. Aman kumar	Student T.N.A.T.T.C. Harigaon		
23	Miss. Farheen Naz	Student T.N.A.T.T.C. Harigaon		
24	Mr. Sonu kumar	Student T.N.A.T.T.C. Harigaon		
25	Mr. Vkash kumar	Student T.N.A.T.T.C. Harigaon		
26	Sri. Tarkeshwar Rai	Reseach scho. S.S.S.U. Uni. M.P.		
27	Sri S.N. Chaubey	Reseach scho. S.S.S.U. Uni. M.P.		
28	Sri Sudhakar Rai	Reseach scho. S.S.S.U. Uni. M.P.		
29	Sri. Kuldeep Singh Tomar	Reseach scho. S.S.S.U. Uni. M.P.		
30	Sri N.K. chaubey	Assit. Prof. T.N.A.T.T.C. Harigaon		
31	Miss. Shweta Maurya	Assit. Prof. T.N.A.T.T.C. Harigaon		
32	Mr. Mukesh kumar	Assit. Prof. T.N.A.T.T.C. Harigaon		

संगोष्ठी की पृष्ठभूमि

संस्थान में सेमिनार की आवश्यकता :–

शिक्षा एक गतिशील प्रक्रिया है। इसके तीन प्रमुख अंग होते हैं। जिसमें शिक्षक,शिक्षार्थी और पाठ्यक्रम समाहित हैं। यह प्रक्रिया किसी निशचित समय में ही और निशचित स्थान पर ही की जाती है। विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय ही एक ऐसा स्थान है। जहाँ किसी बालक को प्राथमिक उच्च प्राथमिक, एवं विश्वविद्यालयी शिक्षा प्रदान की जाती है।

किसी संस्थान में ज्ञान को और गतिशीलता प्रदान करने के लिए यह आवश्यक है कि संस्थान को समाज के साथ जोड़ा जाय। आधुनिक तकनीकी सहायक सामग्री, नये विचार नयी नीतियाँ जिससे समाज और राष्ट्र का विकास किया जा सके। शिक्षा के समसामयिक मुद्दे विभिन्न प्रकार की समस्याओं पर विचार करने के लिए किसी सेस्थान में संगोष्ठी की आवश्यकता होती है।

पूर्व संगोष्ठी का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय :– इसके पूर्व महाविद्यालय में दो बार राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा चुका है। प्रथम संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 13–14 अप्रैल 2016 ("*Quality and Efficiency of Teacher Education :Issues & Challenges*") विषय पर किया गया था। जिसके मुखय अतिथि प्रो0 बी0 बिसवाल (उत्कल वि0 वि0 उडीसा) दूसरे संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 13 दिसम्बर 2017 को किया गया जिसका विषय था , "*Need of Importance and Impact of ICT in Education*" जिसके मुख्य अतिथि प्रो0 तिवारी पूर्व कुलपति सिक्किम विश्वविद्यालय एवं चेयर पर्सन डॉ0 राकेश रंजन एवं डॉ0 महेन्द्रनाथ राय थे।

संरक्षको का संक्षिप्त परिचय एवं सम्पर्क प्रक्रियाः– संगोष्ठी के संरक्षकों में मेजर हर्ष कुमार सचिव (***NCERT***) नई दिल्ली डॉ0 अजय चौबे (शिक्षा विभाग न्यूपा नई दिल्ली) डॉ0 आलोक गार्डिया ऐसोसिउट प्रो0 काशी हिन्दू विश्वविद्यालय डॉ0 संजय शर्मा प्राध्यापक (डॉ0 हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय सागर, डॉ0 आलोक दिवेदी सहायक प्राध्यापक, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ) थे। मुख्य अतिथि एवं प्रखर वक्ता श्री मेजर हर्ष कुमार व संजय शर्मा से सम्पर्क डॉ0 अजय चौबे ने किया और डॉ0 अजय चौबे से संपर्क डॉ0 अशर्फी मेहता ने किया डॉ0 आलोक गार्डिया एवं डॉ0 अलोक दिवेदी से सम्पर्क श्री नवीन चौबे के द्वारा किया गया, डॉ0 ज्ञानदेवमणि त्रिपाठी (डीन) आर्यभट्ट ज्ञान वि0 वि0 पटना से संर्पक महाविद्यालय के सचिव महोदय ने किया।

इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ0 अरविन्द पान्डेय पूर्व कुलपति कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत वि0 वि0 से सम्पर्क दूरभाष के माध्यम से किया गया। जिससे माध्यम महाविद्यालय के बतौर सचिव महोदय थे।

संगोष्ठी के विषय कि चयन प्रकिया :– संगोष्ठी के विषय की चयन प्रकिया एक जटिल प्रकिया है। शिक्षा के विभिन्न आयामों में शिक्षक –शिक्षा एक महत्वपूर्ण और आवश्यक कडी है। शैक्षिक प्रकिया शिक्षक –शिक्षार्थी और पाठ्यक्रम ही महत्वपूर्ण आंग है। वर्तमान समय में बढते नवाचार तकनीकी छात्रों का शैक्षिक, स्तर एवं समाज की आकांक्षा में विषय एवं विषय क्षेत्र को और जटिल बना दिया है। परन्तु महाविद्यालय के सभी शिक्षकों के अपसी सहमती से एवं संगोष्ठी के सहसंयोजक श्री नवीन कुमार चौबे ने विषय का चयन किया।

विषय का चयन करते समय विभिन्न मुददों एवं समसामयिक समस्याओं को ध्यान में रखा गया। जिसमें वर्तमान में मूल्यांकन प्रकिया एक जटिल प्रकिया बनती जा रही है।इसे कैसे रूचिकर एवं छात्रों के अनुरूप बनाया जाय।

सेमिनार के कार्य दिवस एवं तिथि निर्धारण :– संगोष्ठी की तिथि एवं संगोष्ठी में सहभागिता करने वाले विभिन्न अतिथि चेयर पर्सन ,संरक्षक एवं कमिटी के अनुरूप तिथि का निर्धरण किया गया। सभी लोगों से सम्पर्क करने के बाद तथा उनकी सहमती मिलने के उपरान्त संगोष्ठी का आयोजन – 19–20 दिसम्बर को रखा गया।

विषय क्षेत्र और उपविषय क्षेत्र चयन की वैद्यता :– किसी भी विषय क्षेत्र की वैद्यता किये जा रहे कार्यों ,संगोष्ठी में उसके उद्देश्यों का निर्धारण करती है। पाठ्यक्रम शिक्षण विधि एवं सहायक सामग्री छात्रों के अधिगम स्तर को बढाती है। मूल्यांकन द्वारा छात्रों के भावात्मक ,कियात्मक, बोधात्मक क्षेत्र को नापा जा सकता है। इस विषय को ध्यान में रखते हुए संगोष्ठी में विषय का चयन किया गया था। उपविषय एवं विषय की वैद्यता संगोष्ठी के बाद विभिन्न विद्वानों संरक्षकों एवं शेध पत्र प्रस्तुत करने वाले लोगों से विषय क्षेत्र उनके विचार तथा सुझाव के बाद यह लगा कि वर्तमान भारतीय शिक्षा में मूल्यांकन प्रकिया का चयन वैद्य है। आजादी के बाद से लगाातार विभिन्न आयोग जिसमे वि0 वि0 शिक्षा आयोग 1948, मुदालियर आयोग ,1952, कोठारी आयोग,1964 राष्ट्रीय शिक्षा नीति ,ने मूल्यांकन एवं परीक्षा प्रणाली पर विस्तृत अध्ययन किया ।

अतः इस प्रस्तुत विषय/उपविषय क्षेत्र के चयन को वैद्य प्रदर्शित होता है।

संगोष्ठी रिपोर्ट :– (2019)

दिनांक 19 एवं 20 दिसम्बर को तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय हरिगाँव आरा के परिसर में "भारत की वर्तमान शिक्षा प्रणाली में मूल्यांकन प्रक्रिया" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें वतौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रो0 मेजर हर्ष कुमार (सचिव राष्ट्रीय शैक्षिक अनुशंधान एवं प्रशिक्षण परिषद नई दिल्ली) एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो0 डॉ0 अरविन्द, पान्डेय (भूतपूर्व कुलपति कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय) तथा मुख्य वक्ता डॉ0 संजय शर्मा (एसांसिएट प्रोफेसर सागर विश्वविद्यालय) एवं डॉ0 अजय कुमार चौबे शिक्षा शास्त्र विभाग, (***NUEPA***) नई दिल्ली उपस्थित रहे।

संगोष्ठी के द्वितीय सत्र के उद्घाटन के मुख्य अतिथि के रूप में प्रो0 डॉ0 ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी शिक्षा शास्त्र विभाग (डिन) आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय पटना एवं रिशोर्स पर्सन डॉ0 आलोक गार्डिया(एशोसिएट प्रो0 शिक्षा विभाग) काशी हिन्दू विश्व विद्यालय वाराणसी तथा मुख्य वक्ता के रूप में डॉ0 सुजीत कुमार द्विवेदी शिक्षा शास्त्र विभाग ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा एवं डॉ0 आलोक कुमार द्विवेदी सहायक प्राध्यापक शिक्षा शास्त्र विभाग महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ वाराणसी उपस्थित रहे। पहले तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ0 अजय चौबे ने करते हुए कहा कि शिक्षक ही समाज का प्रबोधन कर सकते हैं। शोध के माध्यम से समाज का प्रबोधन केवल शिक्षक ही कर सकता है, शोध की दृष्टि से शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण सुधार किये जा सकते है, तथा वर्तमान में राष्ट्र की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए शोध कार्य किया जाना चाहिए। "जिस तरह से राष्ट्र के सैनिक के कंधे पर यह जिम्मेदारी होती है कि वह अपने देश की सीमाओं को सुरक्षित रख सकें। ठीक उसी तरह से शिक्षकों को भी यह जिम्मेदारी होती है कि वह राष्ट्र निर्माण के लिए छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे, शिक्षक सिर्फ नौकरी करने के उद्देश्य से शिक्षा प्रदान नहीं करता बल्कि वह छात्रों का भविष्य निर्माता पथ–प्रदर्शक होता है," यह बातें प्रो0 मेजर हर्ष कुमार ने प्रथम दिन के उद्घाटन सत्र का शुभारंभ करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी शिक्षक के उपर ही निर्भर है, जैसी शिक्षा व्यवस्था रहेगी उस देश का विकास उसी अनुरूप होगा। उसी सत्र में प्रो0 डॉ0 अरविन्द पान्डेय पूर्व कुलपति कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय दरभंगा ने कहा कि प्राचीन समय में मूल्यांकन प्रक्रिया हमलोगों के मानसिक शारीरिक नैतिक और उनके सर्वांगीण विकास से संबंधित होती थी। किसी भी तरह की लिखित परीक्षा प्राचीन काल में नहीं हुआ करती थी। छात्रों की दैनिक दिनचर्या ही उनके मूल्यांकन का आधार हुआ करती थी। परन्तु वर्तमान समय में मूल्यांकन प्रक्रिया छात्रों पर बोझ के रूप में कार्य कर रही है, छात्रों में परीक्षा और मूल्यांकन के प्रति भय पैदा होती जा रही है। उददघाटन सत्र के बाद संगोष्ठी को चार तकनीकी सत्र में बाँटा गया,

पहले सत्र की अध्यक्षता डॉ0 आलोक गार्डिया ने की। उन्होंने पेपर प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों का निष्कर्ष निकालते हुए कहा कि मूल्यांकन की प्रक्रिया व्यक्ति के व्यक्तिगत जीवन से जुडी हुई है। प्रत्येक व्यक्ति जीवन के हर क्षण में मूल्यांकन करता है, व्यक्ति शीशे के सामने खडा होकर अपने चेहरे का मूल्यांकन करता है, उसका रंग रूप कैसा है, यह सभी विषय–वस्तु एवं मूल्यांकन प्रक्रिया का एक अंग है।डॉ0 विरेंद्र पान्डेय एसोसिएट प्रोफेसर शिक्षा शास्त्र विभाग वीर कुँवर सिंह विश्वविद्याालय आरा ने मूल्यांकन के संबंध में मूल्यांकन का अर्थ स्पष्ट करते हुए कहा कि वस्तु के मापने का बोध ही मूल्यांकन है, उसी क्रम में उन्होने मूल्यांकन की औपचारिक और अनौपचारिक विधि का जिक्र किया। सत्त एवं व्यापक मूल्यांकन की चर्चा करते हुए शैक्षिक मूल्यांकन की एक रूप रेखा प्रस्तुत किया उन्होंने योगाात्मक मूल्यांकन के अंतर को स्पष्ट करते हूए उसके उपयोग की बात भी कही। कार्य–क्रम के दूसरे सत्र में डॉ0 आलोक द्विवेदी ने प्रतिभागियों के पेपर प्रस्तुत करने के पश्चात् कहा कि मूल्यांकन प्रकिया में जिस तरह विषय–वस्तु और उसका स्वरूप पढाये जाने की पद्धति में परिवर्तन हो रहा है, उसी तरह से मूल्यांकन प्रक्रिया में भी परिर्वतन होता जा रहा ह। सत्त एवं व्यापक मूल्यांकन में मूल्यांकन प्रक्रिया की स्वरूप में क्रांतिकारी परिवर्तन कर दिया है।

संगोष्ठी की द्वितीय सत्र की अध्यक्षता करते हुए डॉ0 संजय शर्मा एशेसिएट प्रो0 शिक्षा शास्त्र विभाग डॉ0 हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने की उन्होंने कहा कि मूल्यांकन प्रक्रिया एक विभाजन कारी प्रक्रिया है जो छात्रों के ज्ञान के स्तर पर बांटती है। उन्होंने कहा मूल्यांकन मूलतः विभाजनकारी है न कि उत्कृष्टकारी, क्योंकि यह विद्यार्थियों को छटने की प्रक्रिया है। वर्तमान समय की मूल्यांकन प्रक्रिया छात्र के हित की हो गई है। डॉ0 रामनिवास हुड्डा प्रार्चाय तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय हरगाँव आरा ने शिक्षक शिक्षा में सत्त एवं व्यापक समग्र मूल्यांकन के प्रयोग से जुडे मुद्दों पर चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम में पेशेवर क्षमता विकास हेतु सत्त एवं समग्र मूल्यांकन पाठ्यक्रम में सुधार होना चाहिए और शिक्षक को स्वतंत्र रूप से अपने विचार और पाठ्यक्रम निर्धारण की स्वतंत्रता होनी चाहिए।

अगले वक्ता के रूप में तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्ष प्रशिक्षण महाविद्याालय हरिगाँव ,आरा के सहायक प्राध्यापक श्री नीरज तिवारी ने शोध पत्र प्रस्तुत करते हुए पाठ्यक्रम निर्माण के अलग–अलग विश्वविद्यालयों की तरफ ध्यान आकृष्ट कराया, साथ ही साथ उनके द्वारा मूल्यांकन की प्रक्रियाओं को भी स्पष्ट किया। इस संदर्भ में उन्हांने बताया कि मूल्यांकन कहीं एक चरण की प्रक्रिया में तो कहीं दो तो कहीं तीन चरण में सम्पन्न होता है, स्वभाविक है कि इन तीनों की मूल्यांकन में भिन्नता होगी। इसी क्रम में इन्होंने प्रश्नों के निर्माण में ब्लू प्रिंट का प्रयोग करने का कौशल होना अतिआवश्यक है का सुझाव भी दिया।

क्रम को आगे बढाते हुए महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्री राजेश्वर विश्वकर्मा ने मूल्यांकन को रेखांकित करते हुए कहा कि मूल्यांकन की प्रक्रिया में अधिगम का मूल्यांकन तथा अधिगम के लिए मूल्यांकन दोनों ही निहित है।

महाविद्यालय के वरिष्ठ स0 प्राध्यापक अजीत कुमार सिंह ने सत्त् एवं व्यापक मूल्यांकन पर विस्तृत चर्चा किया। क्रम को आगे बढाते हुए महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका श्रीमती पी0 एम0 जेना ने व्यवहारिक विषय पर बात किया।

अपनी बात रखजे हुए श्री नवीन कुमार चौबे ने कहा सत्त् एवं व्यापक मूल्यांकन शिक्षण एवं अधिगम प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग है।

भुवन–मालती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मोतीहारी के प्राचार्य डॉ0 सच्चिदानंद तिवारी ने कहा कि अपने प्रदर्शन की सही जानकारी प्राप्त करना और कमियों को दूर करना मूल्यांकन की एक कडी है उन्होंने सत्त् और व्यापक मूल्यांकन को रेखांकित करते हुए इनके विभिन्न स्वरूपों विस्तृत चर्चा की।

संस्था के सहायक प्राध्यापिका श्वेता मौर्या शिक्षा के मूल्यांकन प्रक्रिया में होनें वाले परिवर्तन व सुझाव दिया।

मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा के एशोसिएट प्रो0 डॉ0 सुजीत कुमार द्विवेदी ने मूल्यासंकन के विभिन्न पहलुओं को समझाते हुए मूल्यांकन के क्षेत्र में व्याप्त भ्रांतियों उद्घाटित किया तथा उनके निराकरण के संबंध में प्रतिभागियों से विस्तृत चर्चा की उन्होंने मुल्यांकन के विभिन्न चरणों, विधियों तथा कठिनाईयों को विस्तार पूर्वक रेखांकित किया।

इससे पूर्व कार्य–क्रम का शुभ आरंभ सरस्वती पूजन एवं, दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्य–क्रम में अनेक प्रतिभगियों ने भाग लिया ,कार्यक्रम का संयोजन सहयोग डॉ0 संजय शर्मा (समन्वैक समाज, विज्ञान ,शिक्षण अधिगम केन्द्र डॉ0 हरि सिंह गौर विश्वद्यिालय सागर का रहा) कार्यक्रम का संचालन डॉ0 मनोज कुमार उपाध्याय एवं श्री नवीन कुमार चौबे के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया तथा महाविद्यालय के सचिव डॉ0 कृष्ण मुरारी अग्रवाल जी के द्वारा आभार व्यक्त किया गया कार्यक्रम के अंत में संगोष्ठी का समापन राष्ट्रगान से किया गया।

Soft Copy

1. Bhagwan Prasad sheonath Prasad

   B.Ed. College

   Patna Road Daud Nagar

   Bpspbed college edn@yahoo.in

2. G.D.Mishra Institute Higher Studies
   Gurudaspur Lalgang Road , P.O- Sondhila,
   Buxar, Pin no.802103
   Gdmishra institute@gmail.com
3. Triedent B.Ed. College Giddha
   Bhojpur, Ara
   treident bed college@gmail.com

4 Hari Narayan Singh Institute of tearcher Education

Sasaram

hnsite.hnsite@gmail.com

5 Mundeshwari College of Education

Usri Road , Khagual

Mcte.patna@gmail.com

6 Mother's International Teacher's Training College
Phulwari Sarif, Patna
mittapatna 32@gmail.com
7 Maa Aranya Devi B.Ed. College Bampali Ara
Buxar Road
Marnaya bed col@gmail.com

Hard Copy

8 Mata Manjharo Devi B.Ed. College
Jagdishpur, Ara
Apsum College Jagdishpur
Manager- sri Lal Bhadur Singh
Mob.no.- 8434149480

9 Tapendu B.Ed.College Kayam Nagar

10 Bihar College of Education
Giddha

11 Department of Education
V.K.S.U. Ara

Person Letter's

1) **Dr. Jawahar Lal Singh**
   (Ex- Prof. T.N.A.T.T.C.)
2) **Dr.Subham Verma**
   (Assit. Prof. V.K.S.U. Ara)
3) **Govardhan Singh**
   (Asst. Prof.)
4) **Dr. Ramendar Nath Raman**
   (Asst. Prof.)
5) **Dr. Virendra Pandey**
   (Asst. Prof.)
6) **Dr. kavita Sinha**
   (Asst.Prof. V.K.S.U. Ara)
7) **Dr. Mahendra Rai**
   (Asst. Prof.)
8) **Dr. R.P. Singh**
   (B.Ed. College Piro)
9) **Dr. R.P. Singh**
   (Jain College Ara)

E-mail Address

1. birendra@rediffmail.com
2. Akhilesh Gupta R.KT@GMAIL.COM
3. Yadav.hemant 94@gmail.com
4. Vidyamaurya bhu@.gmail.com
5. eumschn 7@gmail.com
6. mina 33612@gmail.com
7. Anjali 4 web@gmail.com
8. twari.riya9@gmail.com
9. rahul 4 adavamethi@gmail.com
10. sc vps mahavidyalaya@gmail.com
11. bd da> 0910@gmail.com
12. suresh on sahoo85@gmail.com
13. raj kumar pandeep 2021@gmail.com
14. prabhnuth 378@gmail.com
15. rajnish 9688@gmail.com

Name of School

1. Principal Mahila College
2. Principal Jain College ,Ara.
3. Maharaja College, Ara.
4. S.B. College, Ara.
5. J.J.College, Ara.
6. AL- Hafiz College, Ara.
7. Tapeshwar Mahila College, Ara.

Name of School Tearch's

1. पंकज कुमार सिंह – जिला अध्यक्ष नियोजन शिक्षक संघ भोजपुर।
2. धनंजय सिंह – संकुल समन्वयक मध्यविद्यालय, आयर
3. प्रभुनाथ ठाकुर – प्राथमिक विद्यालय
4. R.K. Chaubey – Head master, Ram Nagar

Managing Committee

Chairperson :-T.N.A. Education & Social Welfare Foundation .

Chairman :- T.N.A.T.T.College Harigaon.

Secretary :- T.N.A.T.T.College , Harigaon.

Member of managing committee:-

Er. Dhirendra Singh

Sri Krishna Madhav Agrawal

सभागार में उपस्थित पदाधिकार गण एवं समस्त प्रतिभागी

सेमिनार हॉल में उपस्थित पदाधिकार गण एवं प्रतिभागी गण

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, हरिगाँव (भोजपुर)
WELCOME
to
TWO DAYS NATIONAL SEMINAR
on
Evaluation Process in Current Education System of India
Organized by
Narain Agrawal
Teachers'
College, Harigoan
& 20th December 2019
Dr. Ram Niwas
Krishna
Dr. Krishna Murari Agrawal
Principal &
Chairperson
Secretary
तारकेश्वर नारायण अग्रवाल एजुकेशन एण्ड सोशल वेलफेयर फाउण्डेशन द्वारा संचालित